


वाद पंजीयन किया जाकर जरिये सम्मन प्रतिवादीगण की तलबी की गई। प्रतिवादीगण के बावजूद तामिली अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है। वादी स्वयं द्वारा पीडब्ल्यू 1 के रूप में साक्ष्य स्वरूप शपथ पत्र पेश किया गया व दस्तावेज प्रदर्श करवाये गये तथा स्वतंत्र गवाह देवीलाल द्वारा पीडब्ल्यू 2 के रूप में साक्ष्य स्वरूप शपथ पत्र पेश किया गया। वादी वकील द्वारा उक्त वाद में धारा 53 के तहत चाहा गया अनुतोष/इस्तदुआ विद्धो करने बाबत् प्रार्थना पत्र पेश किया गया, जिसे स्वीकार किया जाकर धारा 53 के चाहा गया बंटवारा का अनुतोष विद्धो किया जा चुका है।

वादी अधिवक्ता द्वारा अपनी बहस में वादपत्र के तथ्यों को दोहराते हुए वाद स्वीकार किया जाकर वादग्रस्त आराजी मौजा अलसाणियों की ढाणी, तहसील शिव के खसरा नम्बर 1172/29 रकबा 12.8204 हैक्टैयर में मुस्मात पारुदेवी द्वारा अपने हिस्से से अधिक भूमि के किये गये बैचान को वादी के हिस्से तक शून्य एवं निष्प्रभावी घोषित किया जाकर वादी को 1/4 खातेदारी हिस्से का खातेदार घोषित किया जाकर अंतिम डिक्री जारी करने का निवेदन किया गया।

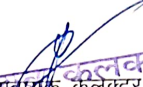
हमने वाद के तथ्यों पर वादी अधिवक्ता को सुना तथा पत्रावली पर उपलब्ध मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों का गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया। चूंकि विवादित आराजी के राजस्व रेकर्ड में वादी का नाम दर्ज है तथा मौके पर वादी का ही कब्जा काश्त है। वादी द्वारा उक्त वाद में वादी की मुस्मात पारुदेवी द्वारा अपने हिस्से से अधिक भूमि के किये गये बैचान को वादी के हिस्से तक शून्य एवं निष्प्रभावी घोषित किया जाकर वादग्रस्त आराजी में वादी को 1/4 खातेदारी हिस्से का खातेदार घोषित करने तथा प्रतिवादीगण द्वारा वादी के हक हिस्सा व कब्जा काश्त में दखलंदाजी पैदा करने तथा उसे बेदखल करने पर आमादा होने से प्रतिवादीगण के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष चाहा गया है। प्रतिवादीगण बावजूद तामिली अनुपस्थित रहे हैं। वादी द्वारा अपने वाद के समर्थन में साक्ष्य स्वरूप बयान शपथ पेश किया गया तथा दस्तावेजात यथा राजस्व रेकर्ड जमाबंदियां, खेत बैचान दस्तावेज, गोदनामा दस्तावेज आदि पेश किये जाकर प्रदर्श करवाये गये हैं। गोदनामा के अवलोकन से स्पष्ट है कि वादी मोतीराम का गोदपुत्र है एवं उक्त गोदनामा का 08.10.2002 को निष्पादन किया गया है। गोदनामा निष्पादित होने के बाद मोतीराम के फौत होने पर गोदपुत्र विशनाराम उसका प्रथम श्रेणी का वारिश है। मोतीराम के फौत होने पर उक्त पैतृक खातेदारी में वादी के नाबालिग होने पर मोतीराम के हिस्से में वादी के साथ मुस्मात पारुदेवी का नाम दर्ज किया जाने पर मुस्मात पारुदेवी द्वारा अपने हिस्से से अधिक भूमि का बैचान कर दिया गया जबकि हिस्सा से अधिक भूमि का बैचान करने का पारुदेवी को कोई विधिक अधिकार नहीं था। अतः वादी अपनी पैतृक खातेदारी भूमि के हिस्से से अधिक किये गये बैचान को शून्य एवं निष्प्रभावी घोषित करवाने का विधिक अधिकारी है। वर्तमान राजस्व रेकर्ड में वादी का 1/8 हिस्सा दर्ज है जबकि वादी उक्त वादग्रस्त आराजी में वादी का 1/4 खातेदारी हिस्सा बनता है। पारुदेवी को उक्त वादग्रस्त आराजी में केवल अपने हिस्से तक की भूमि के बैचान का अधिकार था। मनोहारी बनाम घासीराम (123) में स्पष्ट किया गया है कि ऐसा मामला राजस्व न्यायालय के श्रवणाधिकार में है। चूंकि उक्त वाद में वर्णित बैचान पत्र को शून्य घोषित करना केवल एक इन्सिडेंटल रिलीफ है एवं वाद का मुख्य उद्देश्य खातेदारी घोषणा का है। अतः उक्त स्थिति में सहायक कलक्टर (एसडीओ) शिव को श्रवणाधिकार प्राप्त है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राम कुमार बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान व अन्य में स्पष्ट किया है कि हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 व 8 के तहत पैतृक संपत्ति में अपने हिस्से से अधिक भूमि का विक्रय करार निष्पादन अनुज्ञेय नहीं है। पैतृक संपत्ति में कोई व्यक्ति अपने हिस्से व अधिकार तक की भूमि का ही अंतरण कर सकता है। अतः उक्त प्रकरण में जो हिस्से से अधिक का बैचान हुआ है, वह शून्य योग्य है। साथ ही फौतगी नामांतरकरण से स्पष्ट है कि उक्त वादग्रस्त भूमि पैतृक है।

अतः उक्त स्थिति में वादग्रस्त आराजी पैतृक भूमि होने तथा वादी के मोतीराम का गोदपुत्र होने से उक्त वादग्रस्त आराजी में हक हिस्सा निहित होने एवं पूर्व में पारुदेवी द्वारा अपने हिस्से से अधिक भूमि का बैचान करने पर वादी के हक हिस्सा तक के बैचान को शून्य एवं

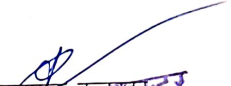

सहायक कलक्टर
शिव (बाड़मेर)

निष्प्रभावी घोषित किया जाकर वादग्रस्त आराजी में वादी के 1/4 खातेदारी हिस्सा की खातेदारी घोषणा की जाकर वाद को स्वीकार करने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है।

लिहाजा वादी का वाद स्वीकार किया जाकर मौजा अलसाणियों की ढाणी, तहसील शिव के खेत खसरा नम्बर 1172/29 रकबा 12.8204 हैक्टेयर भूमि में मुस्मात पारुदेवी द्वारा अपने विधिक हिस्से से अधिक प्रतिवादी संख्या 3 को किये गये बैचान को शून्य एवं निष्प्रभावी घोषित किया जाता है तथा वादी को वादग्रस्त आराजी में 1/4 खातेदारी हिस्सा का खातेदार घोषित किया जाता है। शेष खातेदारी भूमि की प्रविष्टियां यथावत रखी जाती है। तहसीलदार शिव को इसी अनुसार राजस्व रेकर्ड में अमलदरामद सुनिश्चित करने के आदेश दिये जाते हैं। तदनुसार डिक्री पर्चा जारी हो।


सहायक कलेक्टर
सहायक कलेक्टर
शिव (SDO) शिव

निर्णय आज दिनांक 06.10.2025 को सरे इजलास सुनाया गया।


सहायक कलेक्टर
(SDO) शिव
शिव (बडोमर)